नईदुनिया



माइली साइरस ने बायफ्रेंड मैक्स मारांडो के साथ की दूसरी शादी

लास एंजेलस

मशहूर सिंगर और सान्गराइटर माइली साइरस एक बार फिर चर्चा में हैं। माइली साइरस ने दूसरी शादी अपने लंबे समय से बायफ्रेंड रहे म्यूजिशियन मैक्स मारांडो के साथ कर ली है। यह खास समारोह हाल ही में कैलिफोर्निया के खूबसूरत पाम स्प्रिंग्स में एक बेहद निजी और अंतरंग सेरेमनी में संपन्न हुआ, जहां दोनों ने एक-दूसरे के साथ सात फेरे लिए। हालांकि, इस खुशी के पल को लेकर माइली ने अभी तक आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया पर कोई घोषणा या पोस्ट साझा नहीं की है, जिससे उनके प्रशंसक तस्वीरों और खबरों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, माइली और मैक्स का रिश्ता लगभग पांच साल पुराना है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और अब उन्होंने अपने प्रेम संबंध को विवाह के पवित्र बंधन में बदलने का फैसला किया। इस अंतरंग समारोह में परिवार और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी रही, जिनमें माइली की मां टिश साइरस और उनकी बहन नूह साइरस खास तौर पर शामिल थीं। इस जोड़े ने हमेशा अपने रिश्ते को लाइमलाइट से दूर रखने की कोशिश की है, और उनकी शादी भी इसी गोपनीयता का प्रमाण है।

शादी से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसने प्रशंसकों के बीच उत्साह भर दिया है। इन तस्वीरों में नवविवाहित जोड़ा बेहद खुश और आकर्षक लग रहा है। माइली साइरस एक शानदार सफेद रंग के गाउन में किसी परी से कम नहीं दिख रही थीं, जबकि मैक्स मारांडो भी काले रंग के स्टाइलिश परिधान में बेहद जंच रहे थे। विवाह के दौरान भावनात्मक पल भी देखने को मिले, बताया जा रहा है कि इस खास अवसर पर माइली की आंखों में खुशी के आंसू आ गए थे। वहीं, मैक्स ने भी अपनी नवविवाहित पत्नी के लिए एक हृदयस्पर्शी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने अपने प्यार और भविष्य की उम्मीदों को व्यक्त किया। यह सब उनके रिश्ते की गहराई और एक-दूसरे के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। माइली और मैक्स के रिश्ते की शुरुआत दिसंबर 2021 में मीडिया की सुर्खियां बनी थी। उस समय दोनों को मियामी में माइली के हालिडे स्पेशल शो माइली न्यू ईयर ईव पार्टी के बैकस्टेज साथ देखा गया था, जिसने उनके बीच पनप रहे प्रेम की अटकलों को हवा दी। इसके बाद अप्रैल 2022 में, वेस्ट हालीवुड में उन्हें सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को किस करते हुए देखा गया, जिससे उनके रिश्ते की पुष्टि हो गई और यह बात साफ हो गई कि दोनों एक-दूसरे के काफी करीब हैं। हालांकि, उन्होंने कभी अपने रिश्ते को सार्वजनिक मंच पर स्वीकार नहीं किया और हमेशा इसे निजी बनाए रखा। वर्ष 2025 में दोनों की सगाई की खबरें भी मीडिया में छाई थीं, जब माइली और मैक्स लास एंजिल्स में फिल्म अवतार: फायर एंड ऐश के वर्ल्ड प्रीमियर में एक साथ पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने रेड कार्पेट पर साथ में तस्वीरें खिंचवाई थीं, जिसने उनके रिश्ते की गंभीरता को और मजबूत किया। यह माइली साइरस की दूसरी शादी है।

न्यूज ब्रीफ

हसीना की बांग्लादेश वापसी की तैयारी : सरकारी विमान की मांग और गिरफ्तारी का खतरा



ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 16 दिसंबर को अपने देश लौटने की इच्छा जाहिर की है, लेकिन उनकी वापसी की राह में कई बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं। हसीना ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से राष्ट्रीय विमानन कंपनी बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के सरकारी विमान की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि वे दिल्ली से ढाका तक की यात्रा कर सकें। हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने 24 नवंबर को इसकी जानकारी दी। अगस्त 2024 में बांग्लादेश छोड़ने के बाद यह पहली बार है जब हसीना ने अपने देश लौटने के लिए कोई निश्चित तारीख बता दी है। प्रवक्ता के मुताबिक, हसीना का तर्क है कि उन्हें 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश के ही विमान से भारत लाया गया था, इसलिए तारिक रहमान सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें उसी तरह वापस ढाका पहुंचाए। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से विजय दिवस के मौके पर उनकी वापसी सुनिश्चित करने की अपील की है, क्योंकि उनका दावा है कि उन्हें संविधान का उल्लंघन करके देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। हालांकि, शेख हसीना की वापसी आसान नहीं होगी। नवंबर 2025 में, बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई कार्रवाई के मामले में उन्हें उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, उस हिंसा में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि, हसीना ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इंकार किया है। बांग्लादेश के एक मंत्री ने बताया था कि अगर हसीना देश लौटती हैं, तब उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि हसीना को वापस लाने के लिए भारत से विमान को लेकर कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हुई है। शेख हसीना 16 दिसंबर को ही क्यों लौटना चाहती हैं, इसकी भी एक खास वजह है। बांग्लादेश में यह दिन विजय दिवस यानी बिजाय दिबोश के रूप में मनाया जाता है।

रूस कार्बन उत्सर्जन के मामले में सबसे आगे, सऊदी अरब दूसरे नंबर पर



जिनेवा। साल 1850 से अब तक जीवाश्म ईंधन के निर्यात से पैदा हुए कार्बन डाइआक्साइड (सीओ2) के उत्सर्जन के आंकड़ों की जांच में सामने आया है कि रूस, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया दुनिया के इतिहास में कार्बन डाइआक्साइड के सबसे बड़े निर्यातक रहे हैं। रूस और सऊदी अरब के मुकाबले आस्ट्रेलिया का योगदान कार्बन उत्सर्जन में काफी कम है, लेकिन फिर भी जीवाश्म ईंधन के निर्यात से जुड़े 25 गीगाटन से ज्यादा सीओ2 उत्सर्जन के लिए वह जिम्मेदार रहा है। रूस, कोयले, तेल और नेचुरल गैस के विशाल भंडारों के साथ, करीब 70 गीगाटन कार्बन डाइआक्साइड के लिए जिम्मेदार रहा है। इसके बाद सऊदी अरब का नाम आता है, जो करीब 60 गीगाटन सीओ2 उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। इस सूची में तीसरा नाम आस्ट्रेलिया का है, और हैरानी की बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन सीओपी31 की अध्यक्षता इस बार आस्ट्रेलिया ही कर रहा है। आस्ट्रेलिया ने अभी तक जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल या उसके निर्यात को पूरी तरह बंद करने की कोई समयसीमा तय नहीं की है, और उसके कुल निर्यात कारोबार में जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। जानकारों और वैश्विक संगठनों का मानना है कि यह विश्लेषण बताता है कि जलवायु परिवर्तन पर होने वाली बातचीत में आखिर गड़बड़ी कहां है।

चीन की गुफाओं से मानव इतिहास को बदलने वाले सबूत मिले

बीजिंग। चीन की बाकिसयान और नाक्सियान गुफाओं में 18 हजार से ज्यादा स्तनधारी जीवों के जीवाश्मों के बीच 9 प्राचीन इंसानी दांत मिले हैं। वैज्ञानिकों को दक्षिण चीन के गुआंग्शी प्रांत की दो गुफाओं से मानव इतिहास को बदलने वाले महत्वपूर्ण सबूत हाथ लगे हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन दांतों की उम्र 3.24 लाख से 1.84 लाख साल आंकी गई है। इनमें से 8 दांत होमो इरेक्टस प्रजाति के हैं और एक दांत किसी रहस्यमय मानव प्रजाति का है, जिसके डेनिसोवन्स होने का संदेह है। इस खोज ने साबित किया कि होमो इरेक्टस एशिया की मुख्य भूमि पर पहले के अनुमान से कहीं ज्यादा समय तक जिंदा रहे। ये प्राचीन मानव घने बारिश वाले जंगलों में रहते थे और 320 किलोमीटर तक लंबा सफर करते थे। बाक्सियान और नाक्सियान गुफाएं एक-दूसरे से महज 15 किलोमीटर की दूरी पर हैं। हजारों साल पहले साही जैसे जानवर खाने की तलाश में हड्डियां खींचकर इन गुफाओं में जमा करते थे, जिससे यहां वानर, हाथी, गैंडे और खुर वाले प्राचीन जानवरों के 18 हजार से ज्यादा जीवाश्म इकट्ठा हो गए। इन्हीं के बीच शोध टीम को 9 प्राचीन इंसानी दांत मिले।

बांग्लादेश में पुलिसकर्मियों की हत्या और थानों में आगजनी से हालात और बिगड़े

ढाका (बांग्लादेश)

देश में अपराधियों को गिरफ्तार करने की कोशिश के दौरान पुलिसकर्मियों की हत्या की जा रही है। हथकड़ी लगे संदिग्धों को पुलिस हिरासत से छुड़ाया जा रहा है। पुलिस के गश्ती दलों पर हमले हो रहे हैं। सरकारी हथियार लूटे जा रहे हैं और पुलिस थानों को आग के हवाले किया जा रहा है। बिगड़ रहे हालात में लोगों की जान-माल की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के सामने खुद की सुरक्षा बड़ी चिंता का विषय बन गई है। छिटपुट आपराधिक घटनाओं से लेकर राजनीतिक हिंसा तक, पुलिस पर लगातार हो रहे हमले न केवल पुलिसकर्मियों को बड़े खतरे में डाल रहे हैं, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था लागू करने की क्षमता और अधिकार की भी परीक्षा ले रहे हैं।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, 17 फरवरी को प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से नौ महीने से अधिक का समय बीत चुका है। इस दौरान मार्च से अक्टूबर के बीच पूरे देश में पुलिस पर 400 हमले दर्ज किए गए। जनवरी से अक्टूबर के बीच यह संख्या बढ़कर 484 हो गई। नवंबर में भी देश के विभिन्न हिस्सों में हमले जारी हैं। हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। गोपालगंज में दो पुलिस थानों पर हमले किए गए। उन्हें आग लगा दी गई। लूटपाट की गई। अन्य जगहों पर पुलिस की गाड़ियों और परिसरों को निशाना बनाया गया।

पुलिस मुख्यालय के मासिक अपराध आंकड़ों और बांग्लादेश पुलिस एसोसिएशन के डेटा के अनुसार, इस साल जनवरी से अक्टूबर के बीच पूरे देश में पुलिस पर 484 हमले हुए। इन घटनाओं में चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 370 गंभीर रूप से घायल हो गए। 22 नवंबर को नारायणगंज में एक पुलिसकर्मी की हत्या के साथ, इस साल पुलिस पर हुए हमलों में मरने वालों की संख्या कम से कम पांच हो गई है। नवंबर के पहले 23 दिनों में हमलों के दौरान कम से कम 21 पुलिसकर्मी घायल हुए।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि अप्रैल में सबसे ज्यादा हमले (66 घटनाएं) हुए। मार्च में 63 और मई में 55 घटनाएं दर्ज की गईं। हालांकि जून के बाद हमलों में कुछ कमी आई, लेकिन मासिक आंकड़ा कभी भी 40 से नीचे नहीं गया। अक्टूबर और नवंबर में यह संख्या फिर से बढ़ गई। हाल की घटनाएं एक



चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा करती हैं। संगठित समूह पुलिसकर्मियों की हत्या कर रहे हैं। थानों को आग लगाई जा रही है। हथियार लूटे जा रहे हैं और गिरफ्तार संदिग्धों को जबरन छुड़ाया जा रहा है।

अधिकारियों पर होने वाले हमलों के अलावा अब पुलिस थाने भी हिंसा का मुख्य निशाना बन गए हैं। कुछ ही दिनों के भीतर गोपालगंज में दो पुलिस थानों पर हमले हुए। 17 नवंबर को तुंगीपाड़ा पुलिस थाने पर हमला कर उसे आग के हवाले कर दिया गया और वहां से हथियार लूट लिए गए। बांग्लादेश पुलिस एसोसिएशन के अनुसार, इस हमले में थाने के बुनियादी ढांचे और कई वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है। सरकारी हथियारों के साथ-साथ आम लोगों के जना कराए गए हथियार भी लूट लिए गए। दो दिन बाद 19 नवंबर को मुकसूदपुर पुलिस थाने पर हमला हुआ और उसे आग लगा दी गई। इस आगजनी में महत्वपूर्ण दस्तावेज, पुलिस के वाहन और जब्त की गई गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। इन हमलों के लिए प्रतिबंधित अवामी लीग और उसके छात्र संगठन बांग्लादेश छात्र लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है। आगजनी की इन घटनाओं के कारण दोनों पुलिस थानों का कामकाज ठप हो गया है।

18 नवंबर को चटगांव के मुरादपुर में भी एक पुलिस चौकी को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस थानों पर हमले से होने वाला नुकसान केवल इमारत, फर्नीचर या वाहनों तक ही सीमित नहीं रहता। केस रिकार्ड, अपराध से जुड़ी जानकारी और सुरक्षित रखे गए सबूतों के नष्ट होने से भविष्य में जांच और न्यायिक कार्यवाही पर गंभीर असर पड़ सकता है। इस तरह के हमले सार्वजनिक सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं और लोगों को जरूरी पुलिस सेवाओं तक पहुंचने से रोक सकते हैं। पुलिस हिरासत से संदिग्धों को जबरन छुड़ाने की बढ़ती घटनाएं पुलिस बल के लिए एक और बड़ी चिंता का विषय बन गई हैं। गिरफ्तारी के बाद कुछ संगठित समूह संदिग्धों को अदालत में पेश किए जाने से पहले ही उन्हें छुड़ाने के लिए पुलिस पर हमले कर रहे हैं। 22 नवंबर को ब्राह्मणबरिया के अखौरा पुलिस थाने पर हमला हुआ और पुलिस के साथ झड़प हो गई। यह घटना नेशनल सिटीजन पार्टी की उपजिला इकाई के संयुक्त संयोजक और विस्फोटक मामले के आरोपित सायेब अली की गिरफ्तारी को लेकर हुई थी। इस घटना में पुलिस के कम से कम सात जवान घायल हो गए। इससे पहले, 6 नवंबर को बोगरा के सोनातला में धोखाधड़ी के एक मामले के संदिग्ध को पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया गया था। इसी तरह की घटनाएं सितंबर में सुनामगंज के शांतिगंज में और जुलाई में काक्स बाजार के कुतुबदिया में भी हुई थीं। भीड़ ने पुलिस पर हमला कर गिरफ्तार संदिग्धों को छुड़ा लिया। इन घटनाओं ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी है। अब पुलिस को गिरफ्तारी वारंट तामील करने और नियमित अभियान चलाने जैसे सामान्य कामों के लिए भी अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम करने पड़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि पुलिस पर होने वाले इन हमलों के पीछे अलग-अलग वजह हैं। कुछ मामलों में संगठित अपराधी गिरोह पुलिस की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। वहीं कुछ अन्य मामलों में राजनीतिक प्रभाव डालने की कोशिशें और भीड़ के हिंसा के जरिए कानून को अपने हाथ में लेने की बढ़ती प्रवृत्ति भी इस हिंसा को बढ़ावा दे रही है। एक और बड़ी चिंता यह है कि पुलिस पर हुए हमलों से जुड़े मामलों में जांच और मुकदमों की प्रगति को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। हालांकि ऐसी घटनाओं के बाद मामले दर्ज होने और संदिग्धों की गिरफ्तारी की खबरें तो आती हैं, लेकिन यह जानकारी नहीं मिलती कि कितनी जांच पूरी हो चुकी है या कितनी चार्जशीट दाखिल की गई हैं। 2024 के बड़े जन विद्रोह के दौरान पुलिस के घातक बल प्रयोगऔर उसके बाद पुलिस बल के खिलाफ हुई हिंसा का असर अभी भी बना हुआ है। उस दौर से उपजे पेशेवर संकट, गिरते मनोबल और जनता के भरोसे की कमी से निपटने के लिए पुलिस अभी संघर्ष कर ही रही है। उसे एक बार फिर लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

तानाशाह ने अमेरिका को दिखाया ठेंगा : ट्रंप का संदेश ठुकराया, परमाणु खतरा बढ़ा



प्योंगयांग

उत्तर कोरिया ने फिर अमेरिका को कूटनीतिक झटका देकर राष्ट्रपति ट्रंप के बातचीत के तमाम प्रयासों को सिरे से खारिज किया है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब ईरान के बाद अब प्योंगयांग भी अमेरिकी प्रभाव को चुनौती दे रहा है, जिससे वैश्विक मंच पर अमेरिका की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े हुए हैं। किम जोंग उन के इस रुख ने न केवल कूटनीतिक गतिरोध पैदा किया है, बल्कि उत्तर कोरिया की तेजी से बढ़ती परमाणु और मिसाइल ताकत को लेकर अमेरिका की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं।

अमेरिकी अखबार की सनसनीखेज रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने किम जोंग उन से संपर्क साधने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत फिर से शुरू करने के कई प्रयास किए। इसमें आधिकारिक फोन लाइनें और अन्य संचार माध्यम शामिल थे, लेकिन उत्तर कोरिया की ओर से सन्नाटा मिला। आखिरकार, ट्रंप ने व्यक्तिगत पत्र भेजने का फैसला किया। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने न्यूयार्क के मैनहटन में संयुक्त राष्ट्र स्थित उत्तर कोरियाई कार्यालय के माध्यम से यह पत्र पहुंचाने की योजना बनाई। अमेरिकी अधिकारियों का एक दल कार्यालय के बाहर इंतजार करता रहा और जैसे ही एक उत्तर कोरियाई राजनयिक वहां से गुजरा, तभी उस कर्मचारी को ट्रंप का पत्र सौंप दिया गया। लेकिन अमेरिका के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं था, जब उस उत्तर कोरियाई राजनयिक ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान, बिना खोले हुए ही, उस पत्र को अमेरिकी प्रतिनिधि के सामने वापस रख दिया। इस घटना ने साफ कर दिया कि उत्तर कोरिया अब ट्रंप के किसी भी संदेश को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। यह तब हो रहा है जब ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों नेताओं की तीन मुलाकातें हुई थीं, जिनका मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को रोकना था। हाल ही में ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के दौरान भी किम से एक और मुलाकात करने की कोशिश की, लेकिन किम जोंग उन ने ऐसी कड़ी शर्तें रखीं जिन्हें अमेरिकी पक्ष स्वीकार नहीं कर पाया और यह बैठक नहीं हो पाई। बातचीत ठुकराने तक ही सीमित नहीं है, असली खतरा उत्तर कोरिया की तेजी से बढ़ती परमाणु और मिसाइल ताकत है। साल 2025 में जारी एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि किम जोंग उन बातचीत के जरिए अपने रणनीतिक हथियार कार्यक्रम को खत्म करने का कोई इरादा नहीं रखते। आंकड़े बताते हैं कि साल 2019 में दोनों नेताओं की आखिरी मुलाकात के बाद से उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों की संख्या लगभग 20-30 से बढ़कर अब करीब 60 तक पहुंच चुकी है।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग ने बैठक में कबूली कई अफेयर होने की बात

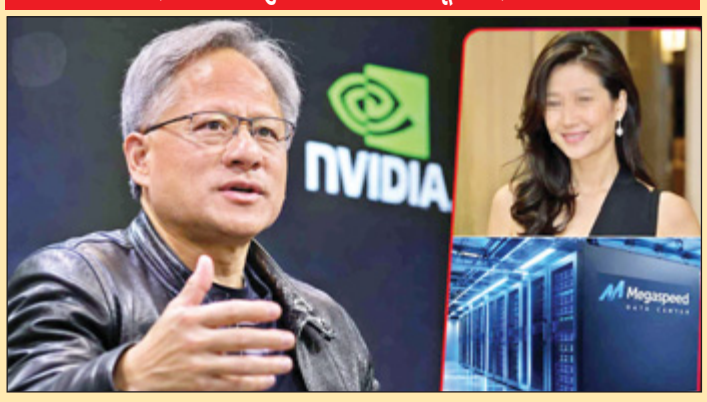

वाशिंगटन। एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग ने पद पर दोबारा लौटने से पहले कंपनी के बोर्ड के सामने अपने कई अफेयर होने की बात कबूल की थी। इनमें वे रिश्ते भी शामिल थे, जिनके बारे में पहले सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड के साथ कई घंटे चली बैठक में जेन्सन हुआंग ने अपने व्यवहार को लेकर पछतावा जताया। इसके बाद बोर्ड ने उन्हें वापस सीईओ बनाने का फैसला किया। दूसरी ओर ट्रम्प सरकार ने सिंगापुर की डेटा सेंटर कंपनी मेगास्पीड को ट्रेड ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है। कंपनी पर एनवीडिया के एडवांस एआई चिप्स की तस्करी कर उन्हें चीन भेजने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेगास्पीड सिंगापुर की एक डेटा सेंटर और क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी है। अमेरिकी अधिकारियों को शक है कि मेगास्पीड ने एनवीडिया के एडवांस एआई चिप्स को अवैध तरीके से चीन पहुंचाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका का आरोप है कि कंपनी ने बिचौलियों के जरिए एआई चिप्स चीन पहुंचाए और निर्यात नियमों को तोड़ा। इसी मामले में अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने मेगास्पीड को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। इस सूची में शामिल कंपनियां अमेरिकी सरकार की खास मंजूरी के बिना वहां की कंपनियों से टेक्नोलाजी और सामान नहीं खरीद सकतीं।

अंतरिक्ष में विशाल तारे ने निगल लिया अपने साथी तारे को

वाशिंगटन

अंतरिक्ष में खगोल वैज्ञानिकों की अनोखी घटना देखी। यह घटना हमारी पड़ोसी एंड्रोमेडा गैलेक्सी के बाहरी हिस्से में धरती से 25 लाख प्रकाश वर्ष दूर घटी है, जिसमें खगोलविदों ने एक तारे को अपने साथी तारे को सीधे निगलते हुए देखा। एक अध्ययन के अनुसार, इस लाल सुपरजायंट तारे को बाओ नाम दिया गया है, जिसका आधिकारिक नाम एटी 2025 अबाओ है। सूरज से 7 गुना भारी, 350 गुना चौड़े और 18000 गुना चमकीले इस तारे ने महज 7 साल में अपने साथी को निगल लिया। सूरज के 70 फीसदी द्रव्यमान वाला एक छोटा तारा इसके केंद्र से जा टकराया। इस विस्फोट के चरम पर पहुंचने के ठीक 47 दिन बाद नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने इसका डेटा जुटाया, जो किसी तारकीय विलय का अब तक का सबसे तेज फालोअप था। जानकारों ने बताया है कि दशकों से इस घटना का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन इसे लाइव होते कभी नहीं देखा गया था। एक तारे को अपने साथी को निगलते हुए देखना समुद्र में एक बाल्टी पानी फेंकने जैसा मुश्किल काम है, क्योंकि इसके असर को देखने के लिए लंबे समय तक आसमान पर नजर रखने वाले संवेदनशील टेलीस्कोप चाहिए। इस तारे पर जानकारों की नजर सबसे पहले फरवरी 2023 में पड़ी थी, जब विभिन्न टेलीस्कोप के डेटा में यह तारा अजीब तरह से चमकता दिखा।

पुराने रिकार्ड खंगालने पर पता चला कि



2018 से पहले इसकी रोशनी स्थिर थी और 2018 के बाद यह धीरे-धीरे तेज होने लगी। सितंबर 2024 में यह तारा चमक बढ़ाने के साथ भारी मात्रा में धूल भी उगल रहा था। आखिरकार 17 अक्टूबर 2025 को एक खगोलीय सुविधा ने इस तारे में भयानक विस्फोट और तापमान में अचानक उछाल दर्ज किया। जेम्स वेब के मिड-इन्फ्रारेड डेटा और कंप्यूटर सिमुलेशन की मदद से टीम ने इस घटना की हर कड़ी जोड़ी। विस्फोट से पहले ये दोनों तारे हजारों साल तक शांति से एक-दूसरे का चक्कर काट रहे थे। विशालकाय मुख्य तारे को बिग बाओ नाम दिया गया जो सूरज से 7 गुना भारी, 350 गुना चौड़ा और 18000 गुना ज्यादा चमकीला था। माडलिंग से छोटे साथी तारे यानी लिटिल बाओ का भी पहला सटीक अनुमान मिला, जिसका द्रव्यमान सूरज का करीब 70 फीसदी था और इसकी चमक भी सूरज से कम थी। जानकारों ने बताया कि जैसे ही बिग बाओ का आकार बढ़ा तो लिटिल बाओ इसकी बाहरी सतह के संपर्क में आ गया। जब साथी तारा मुख्य तारे की बाहरी परत को छूता है तो वह चक्कर लगाते हुए उसकी बाहरी गैस को छीलने लगता है। यही गैस अंतरिक्ष में फैलती है और तारे की चमक धीरे-धीरे बढ़ने लगती है, जिसे विज्ञान की भाषा में कामन एनवेलप इवोल्यूशन कहते हैं। गैस के खिंचाव के कारण छोटे तारे की आर्बिटल ऊर्जा खत्म होने लगी और वह अंदर की ओर गिरता चला गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दो टर्की पक्षियों को दिया जीवनदान, व्हाइट हाउस की सालाना परंपरा निभाई

वाशिंगटन (अमेरिका)

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने थैंक्सगिविंग त्योहार से पहले व्हाइट हाउस में आयोजित एक विशेष समारोह में दो टर्की पक्षियों को जीवनदान दिया। इन पक्षियों के नाम फ्रीडम और फेदर्स हैं। अमेरिका में हर साल थैंक्सगिविंग से पहले राष्ट्रपति की ओर से टर्की पक्षियों को माफी देने की परंपरा है। आयोजित समारोह में ट्रंप ने दोनों पक्षियों का परिचय कराया और अमेरिकी नागरिकों को थैंक्सगिविंग की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह शुभकामना अपने परिवार और अमेरिका की प्रथम महिला की ओर से भी दी। यह व्हाइट हाउस की छुट्टियों से जुड़ी सबसे चर्चित परंपराओं में से एक है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष व्हाइट हाउस में 79वां समारोह आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत वर्ष 1947 में हुई थी। 1947 में नेशनल टर्की फेडरेशन ने तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन को टर्की पक्षी भेंट किए थे। हालांकि, इस पक्षी को औपचारिक रूप से माफी देने की परंपरा वर्ष 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज एच.डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में शुरू हुई।

इस साल समारोह के लिए चुने गए दोनों टर्की पक्षियों को वेस्ट वर्जीनिया के फोर्ट साइबर्ट में स्काट और बेकी राइटसेल ने अपने फार्म पर पाला। राइटसेल परिवार पीढ़ियों से खेती कर रहा है। परिवार के लिए व्हाइट हाउस में अपने फार्म के पक्षियों को प्रस्तुत करना बड़ी उपलब्धि है। व्हाइट हाउस में दोनों टर्की पक्षियों को माफी देने का कार्यक्रम व्हाइट हाउस के नए हेलीपैड पर आयोजित किया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि अगले साल टर्की को माफी देने का कार्यक्रम उनके नए बालरूम में होगा। बालरूम को उन्होंने अमेरिका में अब तक बनी सबसे मजबूत इमारत बताया।

स्काट राइटसेल ने इस आयोजन को टर्की पालने वाले किसानों के लिए बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसानों के लिए किसी बड़े खेल मुकाबले यानी सुपर बाउल जैसा



है। नेशनल टर्की फेडरेशन की अध्यक्ष क्रिस्टी पफेनबार्गर के अनुसार, इन दोनों पक्षियों को समारोह के लिए तैयार करने का काम फरवरी में ही शुरू हो गया था। जुलाई में जब वे छोटे चूजों के रूप में फार्म पर पहुंचे, तब से उनकी खास देखभाल की गई। व्हाइट हाउस में समारोह के दौरान लोगों की भीड़, कैमरों की चमक और तेज आवाजों से पक्षी घबराएं नहीं, इसके लिए राइटसेल परिवार रोजाना उन्हें इन परिस्थितियों का अभ्यस्त बनाता था।

दोनों पक्षियों का चयन उनके स्वभाव और शारीरिक बनावट को देखकर किया गया। राइटसेल के अनुसार, इसके लिए पक्षियों का सुंदर दिखना और शांत स्वभाव का होना जरूरी था। उन्होंने इसकी तुलना सौंदर्य प्रतियोगिता से की। स्काट राइटसेल ने कहा कि जब उन्हें इस आयोजन के लिए चुना गया तो उनका पूरा परिवार बेहद खुश हुआ। उनके फार्म पर पाले गए पक्षियों को अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने पेश किया जाना उनके लिए गर्व की बात है।

थैंक्सगिविंग अमेरिका का प्रमुख त्योहार है। इस दिन परिवार और मित्र एक साथ भोजन करते हैं और जीवन में मिली खुशियों व अच्छी चीजों के लिए आभार जताते हैं। इस मौके पर टर्की का मांस परोसने की परंपरा भी काफी लोकप्रिय है। राष्ट्रपति की ओर से दो टर्की पक्षियों को माफी देने का मतलब है कि उन्हें खाने के लिए नहीं मारा जाएगा और वे सुरक्षित रहेंगे।

ट्रंप ने एक टर्की से कहा, फ्रीडम, इस पल से तुम्हें पूरी तरह से माफा दी जाती है। राष्ट्रपति ने बताया कि दूसरा टर्की फेदर्स झाड़ियों में भाग गया, लेकिन उसे भी माफी दी जाएगी। फ्रीडम और फेदर्स को वाशिंगटन के विलार्ड इंटरकान्टिनेंटल होटल में प्रस्तुत किया गया। व्हाइट हाउस जाने से पहले ये दोनों वहीं एक सुइट में रुके हुए थे। व्हाइट हाउस से यह दोनों पक्षी टेक्सास के कालेज स्टेशन जाएंगे। वहां वे अपना बाकी जीवन बिताएंगे।

फ्रीडम और फेदर्स को तो बख्श दिया गया है, लेकिन नेशनल टर्की फेडरेशन का अनुमान है कि इस थैंक्सगिविंग पर देश भर में लगभग 30 मिलियन टर्की लोगों की खाने की मेज तक पहुंचेंगी। राइटसेल परिवार के लिए मंगलवार का यह कार्यक्रम उन किसानों और मजदूरों को सम्मान देने का भी एक मौका है, जिनकी बदौलत इस थैंक्सगिविंग पर अमेरिकियों की थाली में भोजन पहुंच पाता है। राइटसेल ने कहा, शहरों में बहुत से लोग सोचते हैं कि खाना बस जादू से वालमार्ट में आ जाता है। लेकिन इसके पीछे बहुत मेहनत होती है।